(जनवरी–जून 2020 से लागू)

एम०ए०, हिन्दी साहित्य, द्वितीय सेमेस्टर

MHL-C213

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पूर्णांक 100 | लिखित परीक्षा 70 अंक

क्रेडिट 6 | सतत आन्तरिक मूल्यांकन 30 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम :

इकाई–1 प्लेटो के काव्य सिद्धान्त, अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त, त्रासदी विवेचन, विरेचन सिद्धान्त, लौंजाइनस की उदात्त विषयक अवधारणा।

इकाई–2 ड्राइडन के काव्य–सिद्धान्त, काव्य–भाषा और शैली के सम्बन्ध में विलियम वर्ड्सवर्थ के विचार, कॉलरिज की कल्पना विषयक अवधारणा, कल्पना तथा ललित कल्पना।

इकाई–3 मैथ्यू आर्नल्ड के अनुसार आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य, क्रोचे का अभिव्यंजनावाद, टी०एस० इलियट – परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।

इकाई–4 आई०ए० रिचर्ड्स – भाषा के रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

सिद्धान्त और वाद – आभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद।

इकाई–5 आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ – संरचनावाद, विखण्डनवाद, शैली विज्ञान, उत्तर आधुनिकतावाद।

संदर्भ ग्रन्थ–

1. पाश्चात्य साहित्य–चिंतन – निर्मला जैन, कुसुम बाँठिया
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – अधुनातन संदर्भ – डॉ० सत्यदेव मिश्र
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ० देवेन्द्र नाथ शर्मा
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धान्त – डॉ० शांति स्वरूप गुप्त
5. पाश्चात्य समीक्षा – सिद्धान्त और वाद – डॉ० सत्यदेव मिश्र
6. पाश्चात्य काव्यानुशीलन – डॉ० मृदुल जोशी